पुतलों में इंसानियत [Humanity in a statue]

Sagar Borker, MD

Assistant Professor,
Department of Community Medicine, PGIMER and Dr RML Hospital, New Delhi
Corresponding Author:
Dr Sagar Borker
Department of Community Medicine, Dr RML Hospital, New Delhi
Email: sagarborker at gmail dot com

Received: 10-JAN-2019 Accepted: 26-JAN-2019 Published Online: 28-FEB-2019

मिलावट वाली इस दुनिया में,
क्या शुद्ध है क्या दूषित,
शुद्धता में दूषितपन खोजें,
या दूषितता में शुद्ध चरित्र।

दूध में मिले पानी, यूरिया, स्टार्च और रसायन,
या मिले बाजार में केमिकल जो दूध जैसा दिखे;
फिर भी हर घर में माँ रोज सुबह मन्नत मांगे,
मेरा बच्चा एक गिलास दूध जरूर पिये।

राजधानी की खुशमिजाजी में धुआँ यूँ उठे,
हवा को वह अपनी काली चपेट में लेजाये,
बच्चे इसी घने कोहरे में पाठशाला जायें,
फिर भी हर घर में माँ रोज सुबह मन्नत मांगे,
मेरा बच्चा पढ़-लिख कर एक बड़ा अफसर बने।

राज घराने के ठाठ हैं आज-कल के बच्चों के
खाने में "KFC", पीने में "Coke, Pepsi" खेल में "PUBG",
फिर भी हर घर में माँ रोज सुबह मन्नत मांगे
मेरा बच्चा घर की ही रोटी सब्जी खाये।

Cite this article as: Borker S. Putlon mein insaniat [Humanity in a statue]. RHiME. 2019;6:41-2. Hindi

फल पे मोम, मछली में फोर्मलिन,
भाजी, सब्जी तरकारी में कीटनाशक,
मटन में कुत्ते का मांस, चिकन में एंटीबायोटिक,
मक्खन में पशुओं की चर्बी,
फिर भी हर घर में माँ रोज सुबह मन्नत मांगे
मेरा बच्चा खूब खा-पी कर अच्छा तंदुरुस्त बने।

नकली इस दुनिया में इज्जत भी मिलावटी, शोहरत भी,
परीक्षा में पास होना महत्वपूर्ण, ज्ञान भले ही फर्जी,
ब्लू टूथ और फोर जी के ज़माने में सब लगता है इजी,
फिर भी हर घर में माँ रोज सुबह मन्नत मांगे,
मेरा बच्चा हर परीक्षा में अव्वल नंबर लाये।

बड़े बड़े पुतले बन रहे है भारतवर्ष की पावन भूमि पर
इंसानों में मानवता ना खोजें, खोजें पुतलों में इंसानियत।
फिर भी हर घर में माँ रोज सुबह मन्नत मांगे,
मेरा बच्चा नेक और अच्छा इंसान बने।

संसार में इतनी निराशा होने के बावजूद भी,
माँ की आशा बरक़रार रहे
नकली इस दुनिया में
ममता ही असली मानवता कहलाए।